

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 25 मार्च, 2013

विषय:- जनपद पौड़ी गढ़वाल के स्थान कोटद्वार में प्रेक्षागृह (आडिटोरियम) के निर्माण हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1665/सं०नि०उ०/पांच-17/2012-13 दिनांक 25 सितम्बर, 2012 एवं शासनादेश संख्या-22/VI-1/2005 दिनांक 26 फरवरी, 2005, के संदर्भ मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पौड़ी गढ़वाल के स्थान कोटद्वार में प्रेक्षागृह (आडिटोरियम) के निर्माण हेतु संस्तुत धनराशि ₹138.50 लाख मात्र के सापेक्ष शासनादेश संख्या-22/VI-1/2005 दिनांक 26 फरवरी, 2005 द्वारा प्रथम किस्त के रूप में स्वीकृत ₹50.00 लाख के सापेक्ष अवशेष ₹88.50 लाख के सापेक्ष ₹ 50.00 लाख (पचास लाख) मात्र की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-321/XXVII(1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। कार्य के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-474/XXVII(7)/2008 दि०-15-12-08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम०ओ०य० अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(2)

3— कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित कराया जाय। कार्य के द्वितीय चरण के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या—571/XXVII(1)/2010 दिनांक 19—10—2010 के आलोक में शीधता से समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

4— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5— कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से मध्यनजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशेषियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।

6— कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली—भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय, तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।

7— मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या—2047/XIV—219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाय।

8— कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

9— कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। तथा विलम्ब के कारण आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। समयान्तर्गत कार्य पूर्ण कराकर भवन विभाग को हस्तान्तरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

10— आडिटोरियम के रख—रखाव हेतु पद का सृजन नहीं किया जायेगा तथा उक्त की व्यवस्था भी जिलाधिकारी द्वारा कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

11— उपरोक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2012—13 के आय—व्यय के अनुदान संख्या—11, लेखाशीर्षक—4202—शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय—04—कला और संस्कृति— 800—अन्य व्यय—03—सांस्कृतिक परिषद कला केन्द्र/विद्यालय/आडिटोरियम आदि का निर्माण— 24—वृहद निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

12— यह आदेश वित्त विभाग की अशा०सं०—325 (P)/xxvii(3)/2012—13 दिनांक 23 मार्च, 2013

में प्राप्त उनकी सहमति तथा संलग्न एलाटमेन्ट आई डी०संख्या—S1303110552 दिनांक 25 मार्च, 2013
के द्वारा निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 182/VI-2/2013-2(8)/2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. प्रधान महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
5. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग—३, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)
उप सचिव।